Hint Media

Date: 14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला आयोजित

Sign: ____________ ________________________

Dental Library Director- Principal

गाजियाबाद।आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है।डॉ. दिविज के नाम एक वि श्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है।यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है।इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्जवलित करके किया गया।इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान डॉ. दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये।इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-आॅन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा।व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की।उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और आॅक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई।इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि-प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे।यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया।सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई।इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Amar Ujala

एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

मुरादनगर। आईटीएस् डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस के छात्र व सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। मुख्य अतिथि डॉ. दिविज खुल्लर, चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। डॉ. दिविज खुल्लर ने लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। ब्यूरो

Sign: ________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Journey of Success

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का किया आयोजन

मुरादनगर (जर्नी ऑफ सक्सैस)। नगर क्षेत्र में स्थित आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ह्यह्यफुल माउर्थ रिहैबिलिटेशनह्यह्य विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ. दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ. दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है, जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ. दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ. दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि-प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Krishna Ujjala Samvaddata

Date: 14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

कृष्ण उजाला संवाददाता

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ह्यह्यफुल माउथ रिहैबिलिटेशनह्यह्य विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद

लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की।

उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबों ट्रांसफर, जिग फेब्रिकेशन, डि-प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आई0टी0एस0 - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Athah Samvaddata

Date:14.08.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम

- कार्यशाला के दौरान डा. दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये

अथाह संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा 'फुल माउथ रिहैबिलिटेशन' विषय पर एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बीडीएस छात्र एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डा. दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डा. दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डा. दिविज खुल्लर, आईटीएस -द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

कार्यशाला के दौरान डा. दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि-प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library | **Director- Principal**

Buland Sandesh

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। (नासिर मंसूरी) दिल्ली मेरठ रोड पर असालत नगर के निकट स्थित आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ह्यह्यफुल माउथ रिहैबिलिटेशनह्यह्य विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. के छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है।कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर,

आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Shah Times Samvaddata

Date:14.08.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में सीडीई व कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ''फुल माउथ रिहैबिलिटेशन'' विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस

सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर- प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचान. ने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आद. तों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि- प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Dhara News Samvaddata

Date:14.08.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में फुल माउथ रिहैबिलिटेशन पर कार्यशाला

धारा न्यूज़ संवाददाता, गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ''फुल माउथ रिहैबिलिटेशन'' विषय पर एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।इसमें देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बीडीएस एवं एमडीएस विद्यार्थी और दंत चिकित्सक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ. दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में प्रतिष्ठित नाम हैं और 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण कर विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं।कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. दिविज खुल्लर, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यशाला में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन, डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता, सेंटरिक रिलेशन की पहचान व रिकॉर्डिंग की तकनीक, ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही फेसबो ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, आर्टिकुलेटर प्रोग्रामिंग आदि का लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन सत्र भी हुआ।कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने प्रतिभागियों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना की और आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Uday Bhoomi Samvaddata

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में 'फुल माउथ रिहैबिलिटेशन पर भव्य कार्यशाला

विश्व रिकॉर्डधारी डॉ. दिविज खुल्लर ने लाइव डेमो और हैंड्स-ऑन सत्र से सिखाई उन्नत तकनीकें

उदय भूमि संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा बुधवार को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सतत दंत शिक्षा (सीडीई) एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देशभर के दंत चिकित्सा विद्यार्थियों और चिकित्सकों के लिए एक ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक मंच साबित हुआ। इस विशेष कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से 175 से अधिक बी.डी.एस. और एम.डी.एस. विद्यार्थी, सभी दंत विभागों के चिकित्सक तथा आई.टी.एस. संस्थान के प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता डॉ. दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम हैं और विश्व रिकॉर्ड रखने वाले पहले पोस्ट ग्रेजुएट हैं जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा, वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, सभी डीन, विभागाध्यक्ष और वरिष्ठ दंत चिकित्सक मौजूद रहे। डॉ. दिविज ने अपने विस्तृत वैज्ञानिक व्याख्यान में फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन, डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता, और सेंटरिक रिलेशन की रिकॉर्डिंग तकनीक जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन चर्चा की। उन्होंने फेसबो ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, आर्टिकुलेटर प्रोग्रामिंग और इंडिजिनस बनाम पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन सत्र आयोजित किए गए, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों और विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकों को अपनाकर देखा। यह कार्यशाला दंत चिकित्सकों के लिए एक अनमोल अवसर साबित हुई, जहां उन्हें फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के नवीनतम तरीकों से अवगत कराया गया, ताकि वे भविष्य में मरीजों को और बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. दिविज खुल्लर ने सभी प्रतिभागियों को अपने क्लीनिकल कौशल को और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने इस आयोजन को बेहद सफल और यादगार बताते हुए आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा का आभार व्यक्त किया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Hind Atma Samvaddata

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

हिन्द आत्मा संवाददाता

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा 'फुल माउथ रिहैबिलिटेशन' विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर रहे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस. द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज द्वारा गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल रहे। ईडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबो ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि-प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल रहे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ________________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Hint

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग की ओर से फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें देशभर के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के दंतचिकित्सा के विधार्थी शमिल हुए।मुख्य अतिथि बतौर प्रोस्थोडोटिक्स क्षेत्र में वर्ल्ड रिकार्ड बनाने वाले डा दिविज खुल्लर ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ खुल्लर, आई.टी.एस.–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने संयुक्त रूप से माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी ने आगुंतको का आभार जताया। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज ने गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार प्रस्तुत किये। लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स–ऑन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि–प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि–प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल रहे। कार्यक्रम में शमिल प्रतिभागियों की आई0टी0एस0 – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

Sign: __________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Press Media

Date:14.08.2025

Department of Prosthodontics and Crown and Bridge, CDE Program – Full Mouth Rehabilitation (Lecture, Live Demonstration)

(Yogendra Goswami) Ghaziabad. Under the guidance of Honorable Chairman, I.T.S - The Education Group, Dr. R.P. Chadha and able leadership of Honorable Vice Chairman, I.T.S - The Education Group, Shri Arpit Chadha, I.T.S Dental College, Ghaziabad organised CDE Program on "Full Mouth Rehabilitation" by the Department of Prosthodontics and Crown and Bridge. The program was graced by Honourable Chairman I.T.S The Education Group, Dr. R.P. Chadha, Honorable ViceChairman,I.T.S-TheEducationGroup,Shri ArpitChadhaandDirector-PrincipalI.T.SDentalCollege, Ghaziabad, Dr. Devi Charan Shetty. It was attended by ....delegates including Head of the Departments, post-graduate students, private practitioners, Alumni and interns from various colleges of different states. The Department of Prosthodontics at ITS Dental College, Muradnagar, successfully organized a Continuing Dental Education (CDE) program on Full Mouth Rehabilitation on 12th August 2025. The guest speaker for the program was Dr. Divij Khullar, an accomplished prosthodontist who holds a world record as the first postgraduate student to complete 54 full mouth rehabilitation cases—a milestone that reflects his clinical excellence and dedication. Dr. Khullar delivered an intensive and detailed scientific deliberation that was both informative and clinically enriching. The comprehensive program was structured into lectures followed by live demonstrations, each covering essential aspects of full mouth rehabilitation. The lecture component included in-depth discussions on identifying full mouth rehabilitation cases, assessing vertical dimension, understanding the clinical consequences of reduced vertical dimension, and the need for deprogramming. He also elaborated on various deprogramming methods, techniques to recognize adapted centric relation, and how to effectively record true centric relation. Further topics included the establishment of correct centric relation and occlusal plane, along with necessary modifications in treatment planning for patients with parafunctional habits. A comparative analysis of the indigenous technique versus the PMS technique was presented, outlining their respective advantages and limitations.It also involved live demonstrations of key procedures such as facebow transfer, Lucia jig fabrication, deprogramming techniques, detailed guidance on zeroing and programming the articulator. The event received enthusiastic participation from postgraduate students and faculty members, and concluded with an interactive Q&A session that encouraged clinical discussion and clarification. The program greatly contributed to enhancing the participants' knowledge and practical skills, equipping them to handle complex full mouth rehabilitation cases with greater confidence and precision. Theprogramconcludedwithaninteractivequestionandanswersessionandwasappreciated bytheaudience with a positive feedback about the knowledge shared in program. Our sincere thanks to honorable Chairman,I.T.S-TheEducationGroup, Dr.R.P. ChadhaandVice-Chairman, I.T.S-TheEducationGroup, ShriArpit Chadha fortheirunflinching support,ableguidanceandprovidinga platformtoconductsuchastupendouseducationaleventforefficient,fastandprecisecarefordentalpatients.

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Dainik Jagran

Page No.V(Jagran City) Date:14.08.2025

छात्रों को दी गई माउथ रिहैबिलिटेशन की जानकारी

संवाद सहयोगी, जागरण • मुरादनगर: दिल्ली-मेरठ मार्ग पर स्थित आइटीएस डेंटल कालेज में माउथ रिहैबिलिटेशन से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला का उद्घाटन आइटीएस एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डा. आरपी चड्ढा, वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा और डा. दिविज खुल्लर ने देवी सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यशाला में डा. दिविज ने माउथ रिहैबिलिटेशन के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया। उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की।

माउथ रिहैबिलिटेशन से संबंधित कार्यशाला में आइटीएस कालेज के छात्र व शिक्षक •

Sign: ____________ ______________________

Dental Library **Director- Principal**

Sach Kahoon News

Date:14.08.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में फुल माउथ रिहैबिलिटेशन पर कार्यशाला

■ विश्व रिकॉर्डधारी डॉ. दिविज खुल्लर ने लाइव डेमो और हैंड्स-ऑन सत्र से सिखाई उन्नत तकनीकें

गाजियाबाद (सच कहूँ न्यूज)। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग ने बुधवार को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सतत दंत शिक्षा (सीडीई) एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्डा, वाइस चेयरमैन अर्पित चड्डा द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

यह कार्यक्रम देशभर के दंत चिकित्सा विद्यार्थियों और चिकित्सकों के लिए एक ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक मंच साबित हुआ। विशेष कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से 175 से अधिक बी.डी.एस. और एमडीएस विद्यार्थी, सभी दंत विभागों के चिकित्सक तथा आईटीएस संस्थान के प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता डॉ. दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम हैं और विश्व रिकॉर्ड रखने वाले पहले पोस्ट ग्रेजुएट हैं जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूरे किए हैं।

संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, डॉ. दिविज ने अपने विस्तृत वैज्ञानिक व्याख्यान में फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन, डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता, और सेंटरिक रिलेशन की रिकॉर्डिंग तकनीक जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन चर्चा की।

उन्होंने फेसबो ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, आर्टिकुलेटर प्रोग्रामिंग और इंडिजिनस बनाम पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण भी प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन सत्र आयोजित किए गए, जिसमें उपस्थित चिकित्सकों और विद्यार्थियों ने स्वयं तकनीकों को अपनाकर देखा।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Pahal Today

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

पहल टुडे

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि-प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियोंको प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आई0टी0एस0 - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Aap Abhi Tak

Date:14.08.2025

डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता (आप अभीतक)

गाजियाबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा 'फुल माउथ रिहैबिलिटेशन' विषय पर एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बीडीएस छात्र एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Smart Vision Samachar

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन

स्मार्ट विज़न समाचार

गाजियाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, गाजियाबाद के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा ह्यह्यफुल माउथ रिहैबिलिटेशनह्यह्य विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आई0टी0एस0 - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign:

Dental Library **Director- Principal**

Manasvi Vani Samvaddata

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक छात्र हुए शामिल

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषय पर एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बीडीएस छात्र एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे। मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया। संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ-साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें। डॉ दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स-ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि-प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि-प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चड्ढा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ **Dental Library** ____________ **Director- Principal**

Vartman Satta

Date:14.08.2025

मुरादनगर आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय

सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग द्वारा "फुल माउथ रिहैबिलिटेशन" विषय पर एक दिवसीय सी.डी.ई. एवं कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. छात्र एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ–साथ सभी दंत विभागों के दंत चिकित्सक शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता डॉ दिविज खुल्लर थे, जो प्रोस्थोडोंटिक्स के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। डॉ दिविज के नाम एक विश्व रिकॉर्ड है, वह पहले पोस्ट ग्रेजुएट छात्र है जिन्होंने 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण किये है। यह उनकी क्लीनिकल उत्कृष्टता व समर्पण का प्रतीक है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथि वक्ता डॉ दिविज खुल्लर, आई.टी.एस.–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर संस्थान के डायरेक्टर–प्रिंसिपल, डॉ देवी चरण शेट्टी के साथ–साथ संस्थान के सभी डीन्स, दंत विभागों के एचओडी एवं दंत चिकित्सक भी उपस्थित रहें।

कार्यशाला के दौरान डॉ दिविज के द्वारा एक गहन और विस्तृत वैज्ञानिक विचार विमर्श प्रस्तुत किये गये। इसके बाद लाइव डेमोंस्ट्रेशन तथा हैंड्स–ऑन सत्र भी आयोजित किये गये, जिनमें प्रतिभागियों ने इन तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। व्याख्यान के दौरान, उन्होंने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन मामलों की पहचान करने, वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन करने, वर्टिकल डाइमेंशन में कमी के क्लीनिकल परिणामों को समझने और डि–प्रोग्रामिंग की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने विभिन्न डि–प्रोग्रामिंग विधियों और सेंटरिक रिलेशन को पहचानने और रिकॉर्ड करने की तकनीकों पर भी विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सही सेंटरिक रिलेशन और ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना और पैराफंक्शनल आदतों वाले रोगियों के उपचार योजना में आवश्यक संशोधन शामिल थे। इंडिजिनस तकनीक और पीएमएस तकनीक का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें दोनों की अपेक्षित फायदों और सीमाओं पर चर्चा की गई। इसमें फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन, डि–प्रोग्रामिंग तकनीकों, आर्टिकुलेटर को जीरो करने और प्रोग्रामिंग के विवरण में लाइव डेमोंस्ट्रेशन शामिल थे। यह दंत चिकित्सकों को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में ज्ञानवर्धन और नवीन तकनीकों से अवगत कराने का एक शानदार अवसर था, जिससे वह भविष्य में मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान कर सकें।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. दिविज ने फुल माउथ रिहैबिलिटेशन स्किल्स को सशक्त बनाने हेतु सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। सभी प्रतिभागियों ने उनकी सराहना करते हुए कार्यक्रम की सफलता पर खुशी जताई। इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सर्वश्रेष्ठ क्लीनिकल ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करने के लिये सभी ने आई0टी0एस0–द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Sign: ____________ ____________________

Dental Library **Director- Principal**

Gaj Kesari Yug

Date:14.08.2025

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में फुल माउथ रिहैबिलिटेशन पर सीडीई व कार्यशाला

गज केसरी युग

मुरादनगर(मनीष गोयल)। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग ने ह्यह्यफुल माउथ रिहैबिलिटेशनह्लह्ल विषय पर एक दिवसीय सीडीई एवं कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें देश के विभिन्न डेंटल कॉलेजों के 175 से अधिक बी.डी.एस. व एम.डी.एस. छात्र-छात्राओं सहित सभी दंत विभागों के चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोस्थोडोंटिक्स डॉ. दिविज खुल्लर, ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा व वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में डॉ. दिविज ने वर्टिकल डाइमेंशन के मूल्यांकन, डि-प्रोग्रामिंग विधियों, सेंटरिक रिलेशन की पहचान, ऑक्लूसल प्लेन की स्थापना, फेसबों ट्रांसफर, लूसिया जिग फेब्रिकेशन व आर्टिकुलेटर प्रोग्रामिंग पर विस्तृत जानकारी दी। लाइव डेमो व हैंड्स-ऑन सत्र में प्रतिभागियों ने इन तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास भी किया। उल्लेखनीय है कि उनके नाम 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण करने का विश्व रिकॉर्ड है। इस अवसर पर डायरेक्टर-प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी, सभी डीन, एचओडी व दंत चिकित्सक उपस्थित रहे।

Sign: __________ ________________

Dental Library **Director- Principal**

Rashtriya Shikhar

Date:14.08.2025

आईटीएस डेंटल कॉलेज में फुल माउथ रिहैबिलिटेशन पर विशेष कार्यशाला, देशभर से आए 175 से अधिक प्रतिभागी

मुरादनगर (शिखर समाचार) दंत चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी पहचान रखने वाले आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडोंटिक्स एंड क्राउन एंड ब्रिज विभाग की ओर से बुधवार को फुल माउथ रिहैबिलिटेशन विषयक एक दिवसीय सीडीई और कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 175 से अधिक बी.डी.एस. और एम.डी.एस. विद्यार्थी, साथ ही सभी दंत विभागों के अनुभवी चिकित्सक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोस्थोडोंटिक्स विशेषज्ञ डॉ. दिविज खुल्लर, ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डॉ. दिविज ने कार्यशाला में वर्टिकल डाइमेंशन का मूल्यांकन, डि-प्रोग्रामिंग की आधुनिक विधियां, सेंटरिक रिलेशन की सटीक पहचान, ऑक्लूसल प्लेन की सही स्थापना, फेसबो ट्रांसफर, लूसिया जिग निर्माण एवं आर्टिकुलेटर प्रोग्रामिंग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर गहन जानकारी साझा की। लाइव डेमोंस्ट्रेशन और हैंड्स-ऑन सत्र में प्रतिभागियों को इन तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया, जिससे सिद्धांत और व्यवहार का सटीक समन्वय स्थापित हो सका। उल्लेखनीय है कि डॉ. दिविज खुल्लर अब तक 54 फुल माउथ रिहैबिलिटेशन केस सफलतापूर्वक पूर्ण कर विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं, जो इस क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

इस अवसर पर डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ. देवी चरण शेट्टी के साथ सभी डीन, विभागाध्यक्ष और दंत चिकित्सक मौजूद रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और इस आयोजन को ज्ञानवर्धक एवं यादगार बनाने में योगदान दिया।

Sign: __________ **Dental Library** ________________ **Director- Principal**